



2026: AHC: 29366-DB

इलाहाबाद उच्च न्यायालय

आपराधिक विविध रिट याचिका संख्या - **2233 वर्ष 2026**

बुलबुल तिवारीयाचिकाकर्ता

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य एवं 3 अन्यप्रतिवादीगण

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता: सुनील कुमार श्रीवास्तव

प्रतिवादी के अधिवक्ता: जी.ए. (सरकारी अधिवक्ता)

न्यायालय संख्या - 45

माननीय न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता

माननीय न्यायमूर्ति अचल सचदेव

1. याचिकाकर्ता के विद्वान अधिवक्ता, राज्य के विद्वान ए.जी.ए. को सुना गया और रिकॉर्ड का अवलोकन किया गया।
2. शुरुआत में ही, राज्य के विद्वान ए.जी.ए. ने इस बात की ओर इशारा किया है कि वर्तमान मामले में, जांच पहले ही पूरी हो चुकी है और याचिकाकर्ता के विरुद्ध आरोप-पत्र भी दाखिल किया जा चुका है।

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"



3. याचिकाकर्ता के विद्वान अधिवक्ता उपरोक्त तथ्यों पर विवाद नहीं कर सके, लेकिन उन्होंने कहा कि वह इस रिट याचिका पर बल नहीं देना चाहते हैं और इसे उचित स्तर पर उचित मंच पर जाने की स्वतंत्रता के साथ वापस लेना चाहते हैं।
4. दिए गए बयान के आलोक में, यह रिट याचिका उपरोक्त स्वतंत्रता के साथ 'वापस ली गई' मानकर खारिज की जाती है।
5. संबंधित दस्तावेजों की प्रमाणित प्रति, यदि कोई हो, नियमों के अनुसार याचिकाकर्ता के विद्वान अधिवक्ता को वापस कर दी जाए।

10 फरवरी, 2026

नदीम

(अचल सचदेव, न्यायमूर्ति) (राजिव गुप्ता, न्यायमूर्ति)

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"